

HINDI (II L) WORKSHEET

Grade: X

Sec: _____

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

खेल से मन-मस्तिष्क का विकास होता है । खेल के मैदान की मित्रता और भाईचारे का कोई जवाब नहीं । खेल-भावना हमें जीत की खुशी और हार के दुख से ऊपर उठाकर समरसता की ओर ले जाती है । यही समरसता व्यक्ति को जीवन में समान्निता और सफल बनाती है । खेल अनुशासन, संघठन, पारस्परिक सहयोग, साहस, विश्वास, आज्ञाकारिता, सहानुभूति, समरसता आदि गुणों का विकास करके हमें देश का सभ्य तथा सुसंस्कृत नागरिक बनाते हैं । खेल हमारे अन्दर निर्णय लेने की शक्ति का विकास करते हैं । ऐसा कौन-सा गुण है जो हमें खेल से प्राप्त नहीं होता । 'वाटर लू' की विजय का रहस्य समझाते हुए एक अंग्रेज़ ने कहा था- "विद्यार्थी जीवन में खेल की भावना से प्रशिक्षित होकर ही 'एटन' के मैदान में अंग्रेज़ों ने नेपोलियन को 'वाटर लू' के युद्ध में पराजित किया था ।" आज के इस युग में तो खेलों का महत्व और अधिक बढ़ गया है । आज बहुत बड़ी आवश्यकता इस बात की है कि संसार के विभिन्न देश अपने-अपने मतभेदों को भुलाकर प्रेम और शांति से रहें। खेल इसमें अपनी मुख्य भूमिका निभाता है । समय-समय पर एशियाई खेल या यूरोपीय खेल या ओलम्पिक खेल-कूद का इस दृष्टि से बहुत महत्व है । सभी देशों के हजारों लोग आपस में मिल बैठते हैं । भाषा, रंग, जाति, धर्म आदि की संकीर्ण मर्यादाएँ यहाँ आकर टूट जाती हैं ।

(1) खेल से विकास होता है -

(क) शरीर का (ख) मन और मस्तिष्क (ग) शारीरिक अंगों का (घ) बुद्धि का

(2) खेलों से निम्नलिखित में से कौन-सा गुण विकसित नहीं होता ?

(क) अनुशासन, पारस्परिक सहयोग सिखाते हैं ।

(ख) आज्ञाकारिता भावना और विश्वास पैदा करते हैं ।

(ग) परस्पर दुश्मनी और वैमनस्य पैदा करते हैं ।

(घ) सहानुभूति, समरसता आदि गुणों का विकास ।

(3) अंग्रेजों ने 'वाटर लू' के युद्ध में नेपोलियन को कैसे पराजित किया था?

- (क) बहुत बड़ी सेना लेकर
- (ख) सैनिक शिक्षा से प्रशिक्षित होकर
- (ग) विद्यार्थी जीवन में खेल भावना से प्रशिक्षित होकर
- (घ) नेपोलियन की कमज़ोरियों को पहचान कर

(4) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताएँ आयोजन होने से क्या लाभ होता है ?

- (क) भाषा, रंग, जाति, धर्म आदि की संकीर्ण मर्यादाएँ यहाँ आकर टूट जाती हैं ।
- (ख) एक दूसरे के मित्र बन जाते हैं ।
- (ग) साथ में घुमने का मौका मिल जाता है ।
- (घ) भिन्न-भिन्न देशों की संस्कृतियों का पता चलता है ।

(5) इस गद्यांश का शीर्षक क्या हो सकता है ?

- (क) खेल का महत्व
- (ख) खेल का मैदान
- (ग) मानसिक विकास
- (घ) शारीरिक विकास

प्रश्न 2 - निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

अभ्यास के बिना जीवन में सफलता नहीं मिलती। पहली बार प्रत्येक कार्य कुछ कठिन लगता है। यदि व्यक्ति उस कार्य को कठिन समझ कर बैठ जाता है तो उसे कभी भी नहीं कर सकता। अमेरिका के राष्ट्रपति ने अभ्यासक्रम नहीं छोड़ा और एक दिन राष्ट्रपति पद प्राप्त कर लिया। यदि हम अभ्यास करना छोड़ देंगे तो सफलता हमें छोड़ देगी। मोहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान पर विजय पाने के लिए सात बार प्रयत्न किया और अंत में सफल

हो गया। निरंतर अभ्यास एक ऐसी कुंजी है, जो मनुष्य के लिए सफलता के द्वार खोल देती है। अभ्यास से विद्या अमृत बन जाती है तो बिना अभ्यास के विद्या विष का रूप धारण कर लेती है। जो मनुष्य अभ्यास नहीं करता उसके पास विद्या अधिक समय तक नहीं टिकती है। बहुत बड़ा गणितज्ञ भी यदि अभ्यास छोड़ देगा तो गणित उसे छोड़ देगा। खिलाड़ी यदि खेल का अभ्यास नहीं करेगा तो कभी भी कीर्तिमान स्थापित नहीं कर पाएगा। अभ्यास अवश्य करना चाहिए।

1. कठिन कार्य कैसे सरल हो जाता है?

- | | |
|--------------------------|-----------------------|
| क. दूसरों पर आश्रित रहकर | ख. निरंतर अभ्यास करके |
| ग. भाग्य के भरोसे रह कर | घ. बिना अभ्यास करें |

2. सफलता साथ कब छोड़ देती है?

- | | |
|----------------------|------------------------|
| क. अभ्यास करने पर | ख. काम अधूरा छोड़ने पर |
| ग. अभ्यास ना करने पर | घ. कठिन कार्य समझने पर |

3. निरंतर अभ्यास करना किस की कुंजी है?

- | | |
|-----------------|--------------------------|
| क. हिम्मत हारना | ख. सफलता प्राप्त करने की |
| ग. असफल होना | घ. निराश होना |

4. मोहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान पर विजय पाने के लिए कितनी बार प्रयत्न किए?

- | | |
|------------|------------|
| क. चार बार | ख. एक बार |
| ग. तीन बार | घ. सात बार |

5. जो मनुष्य अभ्यास नहीं करता उसके पास क्या नहीं दिखती है?

- | | |
|------------|---------|
| क. विद्या | ख. धन |
| ग. संपत्ति | घ. पैसा |